स्वर संधि के भेद - 5

1. दीर्घ संधि - रजनीश = रजनी + ईश
   ई + ई = ई
2. यण संधि -
3. गुण संधि - रमेश = रमा + ईश
   आ + ई
4. वृद्धि संधि -
5. अयादि संधि -

परोपकार , मनोनुकूल = ओ

पर + उपकार   मन : + अनुकूल

अ + उ = ओ   : > ओ = विसर्ग संधि

गुण संधि

⑤ अयादि संधि – अय + आदि

1. जिस शब्द के प्रारम्भ में अय, आय, अव, आव हो।

2. शब्द के बीचोंबीच य, व वर्ण होंगे तथा इनसे पहले पूरा व्यंजन (स्वर सहित) होगा।

3. शब्द तीन वर्णों से मिलकर बनेगा तथा संधि-विच्छेद करने दोनों शब्द (टुकड़े) का कोई अर्थ नहीं होगा।

ने+अन, चे+अन, शे+अन, गे+अन

ए = अय – नयन, चयन, शयन, गयन

नै+अक, गै+अक, नै+इका, गै+इका

ऐ – आय – नायक, गायक, नायिका, गायिका

पो+अन, हो+अन, भो+अन, श्रो+अन, को+अक, पो+इत्र, धो+अन

ओ – अव – पवन, हवन, भवन, श्रवण, कवक, पवित्र, धवन

पौ+अन, पौ+अक, धौ+अक, धौ+इका, नौ+इक, श्रौ+अण, शौ+अक, सौ+अन

औ – आव – पावन, पावक, धावक, धाविका, नाविक, श्रावण, सावन, शावक

भवन

भो + अन

भ् + ओ + अन

अ + उ + अन

उ + अ = व ✓

भ व न ✓

दयानन्द , प्रत्यक्ष , अन्वय , नयन , पवन

दया + आनन्द , प्रति + अक्ष , अनु + अय , ने + अन , पो + अन

आ + आ = आ , इ + अ = य , उ + अ = व , अयादि संधि

दीर्घ संधि , यण संधि , यण संधि

ओ → अव

श्रवण ← श्रो + अन

औ → आव

श्रावण ← श्रौ + अन

× श्रो + अण   × श्रौ + अण

① परिमाण = ② परि + मण

① परि + मान

परिणाम

परि + णाम

परि + नाम

② विसर्ग संधि –

① जहाँ विसर्ग (:) का वर्ण में परिवर्तन हो –

3. निर्धन, दुर्दशा, मनोविज्ञान, यशोदा

2. निर् + धन, दुर् + दशा, मनः + विज्ञान, यशः + दा

① निः + धन   दुः + दशा

② वर्ण का विसर्ग (ः) में परिवर्तन –

निराशा , निष्फल , तपोमन , अधोपतन

निर् + आशा , निष् + फल , तपः + मन , अधः + पतन

① निः + आशा , निः + फल

1 – विसर्ग संधि का पहला नियम –

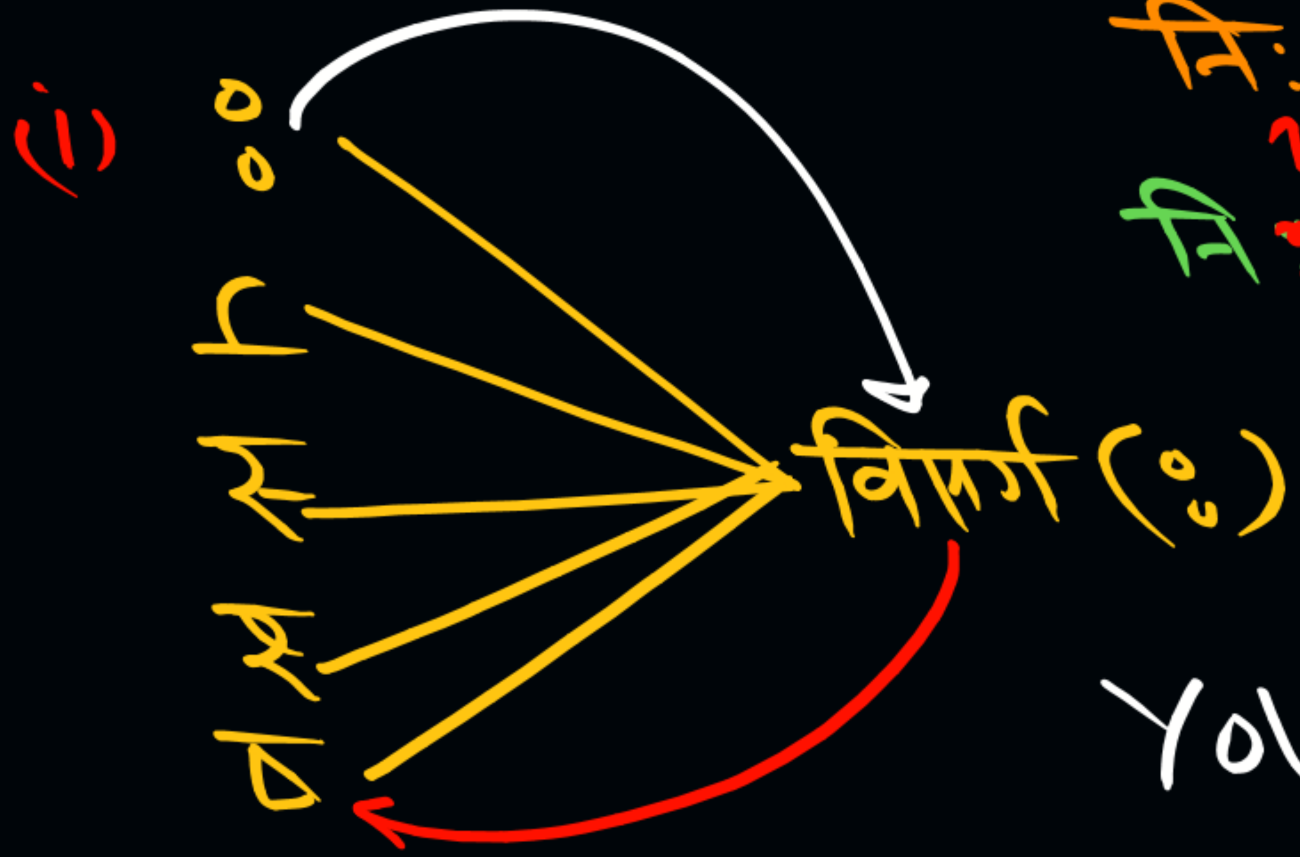

निः शुल्क , निः शब्द

नि ः + शुल्क , नि ः + शब्द

YOUTUBE = 8:30 P.M

||

क्रिया – TOPIC